Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सा नगर नदी तट पर अवस्थित नहीं है?

(अ) भोपाल (ब) पटना

(स) आगरा (द) कोलकाता

2. ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारों के लिए कौन-सा कारक उत्तरदायी नहीं है?

(अ) जल की उपलब्धता (ब) जलवायु

(स) इनमें से कोई नहीं (द) भू-भाग की प्रकृति

3. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के आधार पर भारतीय नगरों को निम्न में से किस वर्ग में नहीं रखते?

(अ) प्राचीन नगर (ब) समकालीन नगर

(स) आधुनिक नगर (द) मध्यकालीन नगर

4. पल्ली बस्तियों को किन स्थानीय नामों से जाना जाता है?

(अ) पान्ना (ब) नगला व ढाँणी

(स) पाड़ा व पाली (द) उपर्युक्त सभी

5. परिक्षिप्त बस्तियाँ भारत में कहाँ पाई जाती हैं?

(अ) उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व केरल में (ब) छत्तीसगढ़ तथा हिमालय की निचली घाटियों में

(स) गुजरात व राजस्थान के कुछ भागों में (द) मध्य भारत के बुंदेलखण्ड में

6. निम्न में से कौन-सा ग्रामीण बस्ती का प्रकार है?

(अ) गुच्छित (ब) उपर्युक्त सभी

(स) अर्द्धगुच्छित (द) पल्लीकृत

7. भारत की जनगणना के अनुसार भारतीय नगरों के कितने वर्ग है?

(अ) 4 (ब) 4

(स) 5 (द) 3

8. महानगर में जनसंख्या का आकार निम्न में से कौन-सा होता है?

(अ) 10 लाख से 50 लाख (ब) 1 लाख से अधिक

(स) 1 करोड़ से अधिक (द) 50 लाख से अधिक

9. भारत की ग्रामीण बस्तियों को कितने भागों में विभाजित किया जाता है?

(अ) पाँच (ब) तीस

(स) दो (द) चार

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. **निम्न में से कौन-सा एक खनन नगर नहीं है?**

(अ) अंकलेश्वर (ब) डिगबोई

(स) रानीगंज (द) अंबाला

रिक्त स्थान

11. ग्रामीण बस्तियाँ अपने जीवन का पोषण _____ क्रियाओं से करती हैं।

12. ग्रामीण लोग _____ गतिशील होते हैं।

सत्य/असत्य

13. वर्ष 2011 में भारत में नगरीकरण का स्तर 30.16% था।

14. कांडला आयात-निर्यात कार्यों में संलग्न पतन नगर है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. ग्रामीण बस्तियों के भौतिक लक्षण के कौन-कौन-से कारक हैं?

16. गुच्छित बस्तियों को परिभाषित कीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. मानव भूगोल में मानव बस्ती के अध्ययन का क्या महत्व है?

18. भारत की गुच्छित और परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों में तीन-तीन अंतर स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

20. ग्रामीण बस्तियाँ कितने प्रकार की होती हैं? इसकी व्याख्या कीजिए।

HOTS

21. विकासशील देशों में ग्रामीण बस्तियों का आधारभूत ढाँचा विकसित करना नियोजको के सम्मुख बड़ी चुनौती एवं सुअवसर प्रस्तुत करते है। कैसे?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

1. **(अ)** भोपाल
2. **(स)**
   ये सभी उत्तरदायी कारक है।
3. **(ब)**
   ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के आधार पर भारतीय नगरों को समकालीन नगर वर्ग में नहीं रखते।
4. **(द)**
   पल्ली बस्तियों को निम्नलिखित स्थानीय नामों से जाना जाता है: पान्ना, पाड़ा व पाली, नगला व ढाँणी।
5. **(अ)**
   भारत में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व केरल में परिक्षिप्त बस्तियाँ पाई जाती हैं।
6. **(ब)**
   उपर्युक्त सभी ग्रामीण बस्तियों के प्रकार है।
7. **(अ)**
   भारत की जनगणना के अनुसार भारतीय नगरों को 6 वर्गों में विभाजित किया गया है।
8. **(अ)**
   'महानगर' में जनसंख्या का आकार 10 लाख से 50 लाख होता है।
9. **(द)** चार
10. **(द)**
    अंबाला जिला हरियाणा एंव पंजाब (भारत) राज्यों की सीमा पर स्थित है तथा यह एक खनन नगर नहीं है।
11. प्राथमिक–आर्थिक
12. कम
13. असत्य
14. सत्य
15. भू-भाग की प्रकृति, ऊँचाई, जलवायु और जल की उपलब्धता ग्रामीण बस्ती के भौतिक लक्षण के कारक हैं।
16. गुच्छित बस्तियाँ वे शहरी या उपनगरीय क्षेत्रों में होती हैं, जहाँ आवासीय इकाइयाँ निकटता से जुड़ी होती हैं। इनमें सामाजिक संपर्क और सुविधाओं की पहुँच अधिक होती है।
17. मानव भूगोल में मानव बस्ती का अध्ययन वहाँ की जलवायु व वातावरण का मानव से संबंध दर्शाता है। बस्तियों के प्रतिरूप का संबंध मानव के वातावरण, आस-पास की परिस्थिति व जलवायु से ही प्रभावित होता है।
18. भारत की गुच्छित और परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों में तीन अंतर निम्नलिखित हैं :

गुच्छित ग्रामीण बस्तियाँ	परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियाँ
ये बस्तियाँ सघन होती हैं। इनमें मकानों के समूह आड़ी-तिरछी, सँकरी और धुमावदार गलियों द्वारा अलग किए जाते हैं। इनमें विभिन्न जातियों के मध्य सामाजिक अलगाव पाया जाता है।	ये बस्तियाँ एकाकी झोपड़ियों के रूप में होंती हैं। इनमें मकान एक-दूसरे से दूर-दूर संपूर्ण ग्राम में बिखरे होते हैं, जिनके बीच में खेत, बाग-बगीचा, ऊसर भूमि आदि गैर-आवासित क्षेत्र पाए जाते हैं।
ये बस्तियाँ उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में पाई जाती हैं।	ये बस्तियाँ सुदूर जंगलों और छोटी-छोटी पहाड़ियों पर मिलती हैं।
सुरक्षा कारणों से भी इस प्रकार की बस्तियों का विकास होता है।	भूमि संसाधनों के अनुर्वर होने से इनका विकास होता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ना जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

19. ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में निम्नलिखित अंतर है :

ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
ये बस्तियाँ अपने जीवन का पोषण अथवा आर्थिक जरूरतों की पूर्ति भूमि आधारित प्राथमिक क्रियाकलापों से करती हैं।	नगरीय बस्तियाँ एक ओर कच्चे माल के प्रक्रमण और तैयार माल के विनिर्माण तथा दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की सेवाओं का निष्पादन करते हैं।
ग्रामीण बस्तियाँ अपने से संलग्न शहरों व नगरों को भोजन सामग्री तथा कच्चा माल उपलब्ध कराती हैं।	नगर आर्थिक वृद्धि के नोड (node) के रूप में कार्य करते हैं। ये न केवल नगरवासियों को बल्कि अपने पश्वभूमि की ग्रामीण बस्तियों को विनिर्मित वस्तुएँ व सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं।
ग्रामीण लोग कम गतिशील होते हैं।	नगरीय क्षेत्रों में जीवन का ढंग जटिल और तीव्रगामी होता है।
उनमें सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते हैं।	यहाँ सामाजिक संबंध औपचारिक होते हैं।

20. ग्रामीण बस्तियाँ विभिन्न प्रकारों में विभाजित होती हैं, जो उनके आर्थिक, सामाजिक, और भौगोलिक विशेषताओं के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

मुख्यतः ग्रामीण बस्तियों को निम्नलिखित प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

i. **कृषि आधारित बस्तियाँ:** ये बस्तियाँ मुख्यतः कृषि पर निर्भर होती हैं। यहाँ के निवासी खेती करते हैं और अनाज, फल, और सब्जियाँ उगाते हैं। पंजाब, हरियाणा, और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में कृषि आधारित बस्तियाँ आम हैं।

ii. **पशुपालन आधारित बस्तियाँ:** इन बस्तियों में लोग मुख्यतः पशुपालन पर निर्भर करते हैं। गाय, भैंस, और भेड़ पालन यहाँ के मुख्य व्यवसाय होते हैं। राजस्थान और गुजरात में ऐसे गाँव अधिक पाई जाती हैं।

iii. **हस्तशिल्प आधारित बस्तियाँ:** ये बस्तियाँ कारीगरी और हस्तशिल्प पर आधारित होती हैं, जहाँ लोग विभिन्न प्रकार के शिल्प, वस्त्र, और कलाकृतियाँ बनाते हैं। उदाहरण के लिए, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में ऐसे गाँव मौजूद हैं।

iv. **संस्कृतिक बस्तियाँ:** यहाँ पर विभिन्न सांस्कृतिक समूह और जातियाँ एक साथ निवास करती हैं। इन बस्तियों में विशेष रीति-रिवाज और परंपराएँ महत्वपूर्ण होती हैं।

v. **परिक्षिप्त बस्तियाँ:** ये बस्तियाँ शहरी क्षेत्रों के निकट होती हैं, जहाँ लोग शहरी जीवन की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए रहते हैं। इन प्रकारों के माध्यम से, ग्रामीण बस्तियाँ भारतीय समाज की विविधता और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

21. विकासशील देशों ग्रामीण क्षेत्र में पेय जल की समस्या, सीवेज प्रणाली का अभाव, सड़को एवं बिजली की समस्या होती है। प्राकृतिक बाधाएं यथा बाढ़, सूखा पर्वतीय क्षेत्र आदि भी अड़चने डालते है।

मिशन ज्ञान
पढ़ः जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES